



# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS  
M N 16 SEP 2024 No 3  
RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2370)

Name of Candidate	भमना जोगी	Registration Number	1269 555
Medium Hindi/Eng.	हिंदी	Date	15/09/2024
Center			

INDEX TABLE		
Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

## INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).  
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH**.  
इसमें बारह प्रश्न हैं हिन्दी और अंग्रेजी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.  
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.  
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended

Strongly Recommended

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sind Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A / SECTION A

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 से अधिक शब्दों में न दें:

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) क्या नैतिक विवेक हमेशा नैतिक निर्णयन में कानूनों, नियमों और विनियमों का पूरक होता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Does moral conscience always complement laws, rules, and regulations in ethical decision-making? Support your answer with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

नैतिक विवेक व्यक्ति के आंतरिक बोध की स्थिति है जिसमें वह व्यक्ति को सही तथा गलत कार्यों का बोध कराता है।

नैतिक विवेक, कानून, नियम, विनियम का पूरक

① वंचित समुदायों के प्रति समानुभूति पर आधारित।

जैसे:- उत्तराखण्ड में IAS अधिकारी लंबोली अध्यक्ष द्वारा जिला अस्पताल का निर्माण करना।

② सांविधिक मानवाधिकार की स्थापना

जैसे:- स्वतंत्रता, समानता का अधिकार

③ कानूनों के पालन को प्रोत्साहित करना

जैसे :- स्वच्छ भारत अभियान

④ उचित कानून को स्थापित करने का मार्ग-दर्शन स्थापित करना

जैसे :- हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956

विपरीत भी हो सकता है

① जब कानून भेदभावमूलक हो -

जैसे :- सती प्रथा

② जब कानून जनता के खिलाफ हो

जैसे :- कृषि कानून

# उपर्युक्त आधार पर कहा जा सकता है कि  
केवल विवेक पर आधारित कानून मजबूत  
रखें स्थायी होते हैं, तथा उचित मार्ग-दर्शन  
प्रदान करते हैं।

1. (b) भारत जैसे देश में समाज के कमजोर वर्गों के प्रति करुणा का भाव अनिवार्य है और इससे समझौता नहीं किया जा सकता है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Compassion towards weaker sections of society is essential and non-negotiable in a country like India. Examine with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

करुणा वह मानवीय मूल्य है जिसमें व्यक्ति किसी व्यक्ति अथवा स्थिति के प्रति स्वमानुभूति के स्तर से आगे जा कर कुछ करने की इच्छा रखता है।

करुणा का महत्व

- (1) वंचित समुदायों के विकास हेतु

जैसे:- IAS अंशुप नंदुरी द्वारा ड्राफ्टमेन्टर समूह के लिए डेयरी फार्म स्थापित करके स्थानीय आजीविका को स्थापना करना

- (2) समावेशिता को बढ़ाना

जैसे:- IAS सौरभ कुमार ने आदिवासी क्षेत्रों हेतु 'लंच विद गैलक्कर' कार्यक्रम शुरू किया

3) जवाहर का प्रोत्साहन -

जैसे:- IAS हरि चंद्रन दहारी द्वारा भूखों के लिए 'फीस व नीडी रेफ्रिजरेटर' शुरू किया।

4) जनता का शासन के प्रति विश्वास कायम करना -

जैसे:- IAS भूपेश चौधरी ने मनरेगा तथा बागवानी को मिला कर किसानों की आय में 15 गुणी वृद्धि की है।

5) समानभूमि के स्तर पर समस्याओं का समाधान करना -

जैसे:- IPS दिव्या देवराजन ने गाँडी भाषा सीखी तथा आदेश स्थानीय भाषा में निकाले।

# करकला ही व्यक्ति के मूल्यों का आधार तब है रही या अन्य मूल्य टिके हुये होते है।

2. (a) भारतीय समाज में भ्रष्टाचार मौजूद है और निरंतर फल-फूल रहा है क्योंकि इसे सामाजिक रूप से स्वीकार किया जाता है और महत्वकांक्षा को प्रेरित करने वाला माना जाता है। क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Corruption exists and thrives in Indian society because it is socially accepted and even seen as aspirational. Do you agree with this view? (Answer in 150 words) 10

ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल द्वारा करप्शन  
परसेप्शन इंडेक्स 2023 में 180 देशों में  
भारत को 93वां स्थान प्रदान करना है,  
जो भारत में भ्रष्टाचार की दयनीय स्थिति  
को बताता है।

भ्रष्टाचार का सामाजिक स्वरूप

- ① भ्रष्टाचार का संस्थागत हो जाना  
जैसे - शादी के समय देहल लेना तथा  
 देना दोनों ही सम्मान का विषय होना।
- ② सफलता का आंकलन धन के आधार पर  
 करना।  
जैसे - जिस व्यक्ति के पास अधिक पैस तथा बस।  
 धर है उसे अधिक सम्मान मिलना।

3) सरकारी संस्कृति की छवि कार्य हेतु धन  
स्वीकार करने वाली हो जाना

जैसे:- CVC की एक रिपोर्ट में शुद्ध  
श्रीमानदार IAS अधिकारी भी शामिल  
इन क्राइम का गवर्न करता है।

4) रिश्वत का सामान्य व्यवहार में आ जाना

जैसे:- दिवाली, होली इत्यादि त्योहार पर  
अचर्या उठवाने हेतु पैसा देना

वर्तमान स्थिति में कुछ कमी के कारण

- 1) सूचना एवं जाति का युग - डिजिटलीकरण
- 2) चुनाव के केन्द्र में भ्रष्टाचार - आम आदमी पार्टी का गठन
- 3) इंडिया अगेंडर 2 का लक्ष्यन मूवमेंट

# उपर्युक्त आधार पारदर्शी संस्कृति की  
तरफ कदम की ओर इशारा कर रहे हैं।

2. (b) सामाजिक उत्तरदायित्व को लोकतांत्रिक शासन को बढ़ावा देने और सेवा वितरण में सुधार करने के साधन के रूप में तेजी से मान्यता मिल रही है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Social accountability is increasingly recognized as a means of enhancing democratic governance and improving service delivery. Discuss. (Answer in 150 words) 10

सामाजिक उत्तरदायित्व का अर्थ है कि व्यक्ति, संस्था, सरकार अपने कार्यों के प्रति सरकार सामाजिक व प्रति जवाबदेह हो।

सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका

① कुशल प्रशासन हेतु

जैसे:- उच्चतम न्यायालय का स्वयं पारित श्रेष्ठतम आवाजों में न्य निर्णय।

② जनता के प्रति नीतियाँ हेतु जवाबदेह

जैसे:- नियोजन चारिटर, सेवा प्रदायक अधिकार अधिनियम

③ शिक्षा को बढ़ावा देने में

जैसे:- जहाज में सोनम वांगचुंग द्वारा  
'द होप कार्यक्रम' चलाना।

- ④ शरीर की को समाप्त करने हेतु तथा कौशल  
प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु

जैसे:- IAS लाम्या पांडे द्वारा महिला  
कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम (मॉर्निंग)।

- ⑤ बेहतर सेवा विवरण तथा निगरानी तंत्र  
की स्थापना -

जैसे:- सर्वोत्तम मॉडल, सोशल ऑडिटर

- ⑥ पारदर्शिता की संस्कृति को बढ़ाना

जैसे:- RTI, 2005

# अत्युत्तम उदाहरण विभिन्न क्षेत्रों  
में अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों को प्रदर्शित  
करता है जिससे बेहतर समाज का निर्माण  
होता है।

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण आपको क्या संदेश देते हैं?

What does the following quotation convey to you in the present context.

(a) "मानवीय आवाज़ कभी भी उस दूरी तक नहीं पहुंच सकती जो अंतरात्मा की पवित्र आवाज़ द्वारा तय की जाती है।" - महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The human voice can never reach the distance that is covered by the still small voice of conscience." - Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उपर्युक्त कथन महात्मा गांधी द्वारा मानव के अंतरात्मा द्वारा कही गई बात के महत्व में बताया है जिसमें मानवीय भावाज का अंतरात्मा के संदर्भ में महत्व चरित्र निर्माण, मूल्यों पर दृढ़ रहने इत्यादि संदर्भ में है।

वर्तमान प्रसंगिकता

① मूल्यों पर दृढ़ रहना

जैसे:- पूर्व चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन

② पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में जागरूकता

जैसे:- गैराथन वर्ग

③ कार्यों के प्रति ईमानदार रहना।

जैसे :- सत्येंद्र कुल का अपने कर्तव्य पर रहते हुए निधन हो गया।

④ सामाजिक न्याय की स्थापना करना।

जैसे :- डॉ. भीमराव अम्बेडकर

⑤ जैतिक दायित्व के साथ व्यवसाय करना।

जैसे :- रतन टाटा

⑥ पारदर्शिता की संस्कृति अपनाना।

जैसे :- उच्चतम न्यायालय का स्वयं पारित

# अंतरात्मा की भावात्मक मूल्यों को गहरा, स्थायी, तथा सुदृढ़ता प्रदान करना है अतः इसे प्रबुद्ध करने हुए सही दिशा में अग्रसर करना चाहिए।

3. (b) "धैर्य विचारों का मार्शल, इच्छाशक्ति का कवच और तर्क का किला है" - फ्रांसिस बेकन। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Fortitude is the marshal of thought, the armor of the will, and the fort of reason."  
- Francis Bacon. (Answer in 150 words) 10

उपर्युक्त कथन व्यक्ति के धैर्य के गुण को प्रदर्शित करता है जो व्यक्ति की मानसिक मजबूती, लगन, इच्छाशक्ति, संयम इत्यादि गुणों से युक्त बनाता है।

वक्तव्य वर्तमान प्रासंगिकता।

- ① धैर्य विचारों का मार्शल है - धैर्य के समय ही मनुष्य विचार कर पाता है तथा वह विचार सही दिशा प्रदान करते हैं।

जैसे :- IAS मिलती सैठी द्वारा कोविड-19 के समय लोगों को शिक्षण के बारे में समझाने में सफल रही। तथा लोगों का व्यवहार परिवर्तन हुआ।

② इच्छाशक्ति का कवच - धैर्य ही हमें

हृदय विश्वास के साथ इच्छा करने का  
साधन देता है -

जैसे :- पूर्व CAG का विनोद राय द्वारा

भ्रष्टाचार को उजागर करने तथा 2-ज  
स्टैम्टम घोराले का पता लगाना इत्यादि  
कार्य किये गये ।

③ धैर्य तर्क का किला है - धैर्य में ही

सही एवं गलत में अंतर करने की क्षमता  
का विकास होता है जो तर्क सशक्त प्रदान  
करता है -

जैसे :- अरुणा राय द्वारा सूचना के अधिकार  
हेतु आंदोलन के माध्यम से तर्क प्रस्तुत  
करना ।

# धैर्य व्यक्ति को हृदय निश्चयी बनाता है  
तथा लक्ष्य की तरफ अग्रसर करता है ।

3. (c) "चरित्र बार-बार दोहराई जाने वाली आदतें हैं और बार-बार दोहराई जाने वाली आदतें ही चरित्र को सुधार सकती हैं।" - स्वामी विवेकानंद (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Character is repeated habits, and repeated habits alone can reform character." - Swami Vivekananda (Answer in 150 words) 10

स्वामी विवेकानंद का उपर्युक्त कथन  
सुकरात के सद्गुणों से मिलता है जो चरित्र  
निर्माण हेतु अभ्यास (बार-बार-दोहराना)  
पर बल देते थे।

प्रसंगिकता

① व्यक्तिगत मूल्यों के विकास में -

प्रसंग :- महात्मा गांधी का जीवन सर्वोच्च  
उदाहरण है।

② व्यक्ति में सामुदायिक भावना के विकास  
में -

प्रसंग :- उर्वरू जनजाति में सहयोग का  
मूल्य

- ③ लोक सेवा में सचिवालय के उदाहरणों के माध्यम से मूल्यों की स्थापना करना।

जैसे:- IAS आर्मिस्ट्रिंग पाम का उदाहरण प्रस्तुत करके जनो-मुख्य कार्यसंस्कृति का विकास करना।

- ④ समाज के ~~स्तर~~ स्तर पर विकास -

जैसे:- स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से व्यवहार में परिवर्तन।

- ⑤ कारपोरेट जगत के स्तर पर

जैसे:- गूगल में गूगल नैतिक एवं आचरण संहिता का निर्माण करके उदाहरण स्थापित किया है।

# उपर्युक्त सभी उदाहरण प्रत्येक स्तर पर चरित्र सन्निर्माण में सहयोग की भूमिका में हैं।

4. (a) संगठन कर्मचारियों पर पड़ने वाले अनुचित दबाव को रोकते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को किस प्रकार संतुलित कर सकते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can organizations balance healthy competition while preventing undue pressure on employees? (Answer in 150 words) 10

संगठन की सफलता स्वच्छ कार्य -  
संस्कृति पर आधारित होती है तथा स्वच्छ  
कार्य - संस्कृति के लिए पारदर्शिता, उत्तरदायित्व,  
तथा स्वच्छ प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता  
होती है।

स्वच्छ प्रतिस्पर्धा का महत्व

- ① विकास की गतिविधियों को बढ़ाने हेतु  
जैसे :- स्वच्छ भारत की शय्यावा तथा  
शहरों के स्तर पर श्रृंगिक
- ② सुशासन की स्थापना तथा पारदर्शिता को  
बढ़ाने हेतु -  
जैसे :- नीति आयोग द्वारा सुशासन सूचकांक  
निकासन।

③ सहकर्मियों द्वारा कार्य का बेहतर प्रदर्शन करने की प्रतियोगिता का माहौल बनना

जैसे:- सिविल सेवा दिवस पर अधिकारियों को प्रदर्शन आधारित पुरस्कार

④ विकल्पों की भिन्नता का उपलब्ध होना

जैसे:- रेबीकॉम कंपनियों का उपलब्ध होना

⑤ आराम की संस्कृति के स्थान पर कार्य की संस्कृति का विकास

# उपर्युक्त सभी स्वच्छ प्रतियोगिता के उदाहरण हैं जो शासन को परदर्शी, जवाबदेही तथा कुशल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

4. (b) प्रबंध का अर्थ कार्यों को सही करना है; नेतृत्व का अर्थ सही कार्य करना है। विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।  
(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Management is doing things right; leadership is doing the right things. Elaborate.  
(Answer in 150 words) 10

उपर्युक्त कथन 'प्रबंध तथा नेतृत्व के संबंध में कार्यों को करना' प्रदर्शित करता है। प्रबंध तथा नेतृत्व के संतुलन से ही संगठन का सफल संचालन संभव होता है।

① प्रबंध: कार्यों को सही करना।

① संसाधन प्रबंधन की कुशलता तथा दक्षता

जैसे:- ई.न. श्रीधरन द्वारा मैट्रो परियोजना

② समय का प्रबंधन -

जैसे:- एम. एल. स्वामीनाथन द्वारा 60 के दशक में भूख की समस्या का समाधान

(B) नैतत्व : सही कार्य करना।

① उचित कार्य-संस्कृति स्थापित करना।

जैसे:- पूर्व चुनाव आयोग टा. एन. शेषन  
पारदर्शिता की संस्कृति स्थापित

② जनो-मुखी दृष्टिकोण।

जैसे:- IAS आर्मस्ट्रॉंग पॉम द्वारा जनता  
संघ' का निर्माण करना।

③ वंचित वर्गों का समर्थन

जैसे:- IAS संदीप नदवी द्वारा ट्रॉमजेंटर समुदाय  
हेतु डेथरी कॉमि की स्थापना।

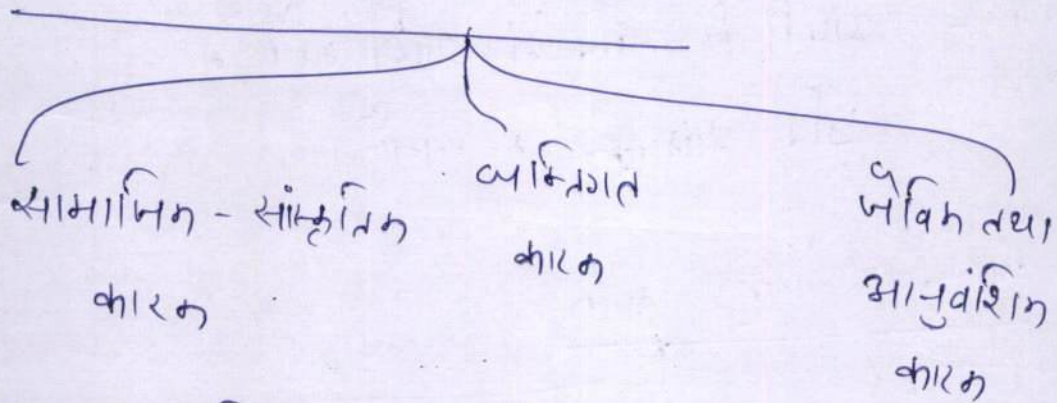
# उपर्युक्त सभी उदाहरणों से उबंधन की  
कुशलता तथा नैतिक निर्णयों को शक्ति का  
समाधान दिखता है।

5. (a) अभिवृत्ति का निर्माण समाजीकरण की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पहलू है। व्यक्तियों में अभिवृत्ति के विकास में योगदान देने वाले विभिन्न कारकों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Formation of attitudes is a crucial aspect of the socialization process. Discuss the various factors that contribute to the development of attitudes in individuals. (Answer in 150 words) 10

अभिवृत्ति किसी मनोवैज्ञानिक विषय के प्रति सकारात्मक तथा नकारात्मक रुझान का होना है।

अभिवृत्ति निर्माण के कारक



Ⓐ सामाजिक - सांस्कृतिक कारक

① व्यक्तिगत अनुभव द्वारा

② अवलोकन द्वारा - माता-पिता के अवलोकन से चर्चा द्वारा कार्य करना (एल्बर बांडूरा)

③ सामाजिक अनुबंधन - उद्दीपक की उपस्थिति (पावलॉव)

किसी कार्य का संबंध स्थापित हो जाना

जैसे:- गाड़ी आने, बेल बजने के बाद किसी जानवर को भोजन दिया जाता है तो वह कुछ समय के बाद गाड़ी आते ही भोजन पाने की हरकत करता है।

(4) सामाजिक दबाव -

जैसे:- अपनी ही जाति में शादी करने के प्रति अभिवृत्ति का निर्माण।

(B) व्यक्तित्व से जुड़े कारक

बहिर्मुखी - अंतर्मुखी व्यक्तित्व      आयु तथा स्वास्थ्य      मित्र-समूह

# उपर्युक्त सभी कारक अभिवृत्ति निर्माण में महत्वपूर्ण कारक हैं किन्तु कुछ सीमित मात्रा में आनुवंशिक कारक भी प्रभावित करते हैं।

5. (b) किसी भी कार्यस्थल पर संघर्ष अपरिहार्य होते हैं और प्रशासनिक भूमिकाएं भी इसका अपवाद नहीं हैं। इसके आलोक में, संघर्ष प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Conflicts are inevitable in any workplace, and administrative roles are no exception. In light of this, discuss the role of emotional intelligence in conflict management. (Answer in 150 words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अपनी तथा दूसरों की भावनाओं को पहचानने, प्रबंधित करने तथा समझने की मनःस्थिति है।

संघर्ष प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता

- ① आत्म - जागरूकता - आत्म - जागरूकता के माध्यम से संवाद कायम रखे तथा नीतियों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है -

जैसे:- IAS मिलती सैठी द्वारा शिकागो के समय

- ② आत्मः नियंत्रण - संघर्ष के समय अपनी भावनाओं, भावों का नियंत्रण

प्रभावी ढंग से आवश्यक है।

जैसे: - यूजीलैंड की प्रधानमंत्री द्वारा  
मरिजस हमले के समय प्रतिक्रिया के  
रूप में दिया था।

③ आत्म-प्रेरणा - यह प्रत्येक सफल सिविल  
सेवक के लिए मूल्यों पर दृढ़ रहने हेतु  
आवश्यक है।

जैसे: - IAS अशोक खेमगा द्वारा भ्रष्टाचार  
के खिलाफ अभियान में अपने को  
निरंतर 30 वर्ष से कार्य करना।

④ समानुभूति - समस्याओं को गहराई से समझने  
हेतु

जैसे: - IAS संदीप नगरी - ट्रॉमपेस्ट

⑤ सामाजिक कौशल - समुदायों को अपनी  
बात को समझाना।

जैसे: - श्री जनजाति समझाना

6. (a) चर्चा कीजिए कि अभिवृत्ति विश्व के साथ हमारी धारणाओं और अंतःक्रियाओं को आकार देने में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how attitude plays a crucial role in shaping our perceptions and interactions with the world. (Answer in 150 words) 10

अभिवृत्ति किसी मनोवैज्ञानिक विषय के प्रति सकारात्मक एवं नकारात्मक रुझान को व्यक्त करती है जिससे हमारी धारणाओं तथा अंतः क्रियाओं का निर्माण होता है।

### अभिवृत्ति का योगदान

- ① संज्ञानात्मक ज्ञान को व्यवस्थित करने क्योंकि धारणाओं का निर्माण संज्ञानात्मक पथ के द्वारा ही होता है।
- ② अभिवृत्ति एवं व्यवहार में सुसंगति स्थापित करने में
- ③ सामाजिक कौशल के विकास में सहायक

4) भावनात्मक संबंधों की स्थापना में

सहायक

5) बेहतर संचार की स्थापना करने में

सहायक

6) नकारात्मक तथा सकारात्मक दोनों  
पक्षों का निर्माण करने में संभव

# उपर्युक्त सभी आधारों पर अभिवृत्ति  
के तीनों घटकों का संयोजन ही  
कार्य करता है अतः छात्रों का निर्माण  
तथा अंतः क्रियाओं में अभिवृत्ति की  
महत्वपूर्ण भूमिका है।

6. (b) हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि जेनरेशन Z पिछली पीढ़ियों की तुलना में एकाकीपन के उच्च स्तर का अनुभव कर रही है। इस प्रवृत्ति के संभावित कारण क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Recent studies indicate that Generation Z is experiencing higher levels of loneliness than the previous generations. What are the possible reasons for this trend? (Answer in 150 words) 10

जेनरेशन Z वह पीढ़ी है जो युगतः डिजिटल युग में पैदा हुई है तथा सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का बदला स्वरूप देखा है।

जेनरेशन Z के एकाकीपन के कारण

① पारिवारिक मूल्यों का बदलना -

संयुक्त परिवार से एककी परिवार का निर्माण, माता-पिता दोनों पेशेवर होना इत्यादि कारण पारिवारिक संरचना का निर्माण का निर्धारण करते हैं।

② सोशल मीडिया की भूमिका

- लाइक्स, कमेंट्स, क्लिक डिपेंडेंस

इत्यादि के कारण अ-तर्क्यवी व्यक्तित्व का  
निर्माण हो रहा है।

- ③ सामुदायिक भावना में कमी
- ④ बढ़ता शहरीकरण भी बच्चों में एककीपन का कारण है।
- ⑤ शिक्षण व्यवस्था का अंकों पर आधारित होना।
- ⑥ प्रदर्शन आधारित रोजगार का उपलब्ध न होना।

# उपर्युक्त सभी कारण जनरेशन Z के तनाव, एककीपन को बढ़ाते हैं तथा जिनका समाधान सामुदायिकता, परिवार के साथ समय बिताने तथा दोस्तों के साथ भौतिक उपस्थिति महसूस करने से जुड़ा है।

**खंड B / SECTION B**

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके उपरांत वाले प्रश्नों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में)

**In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):**

7. नीरज ने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और वह एक बड़ी आईटी कंपनी के वित्त एवं विश्लेषण विभाग में कार्य करता है। हाल ही में, नीरज को बिक्री के रिकॉर्ड में एक चिंताजनक विसंगति का पता चला, जिसने सत्यतापूर्ण रिपोर्टिंग हेतु कंपनी की प्रतिबद्धता के बारे में निवेशकों के लिए चिंताएं उत्पन्न कर दीं।

नीरज की कंपनी की विशेषता संवृद्धि को बढ़ाने, बिक्री में तेज़ी लाने और अधिक लाभ कमाने के इच्छुक अन्य व्यवसायों को सॉफ्टवेयर सेवाएं प्रदान करना है। किसी उत्पाद की लागत आवश्यक सेवाओं के प्रकार पर निर्भर करती है। एडवांस पैकेज महंगे होते हैं और इनकी अधिक बिक्री से कंपनी के लिए मजबूत संवृद्धि का संकेत प्राप्त होगा।

हाल ही में, नीरज को एक नया प्रोजेक्ट सौंपा गया जिसमें उत्पादों को खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या और एडवांस बनाम बेसिक पैकेजों पर खर्च की गई राशि को दर्शाने वाला एक विज़ुअल विकसित करना था। हालांकि, प्रोजेक्ट के लिए किए गए शोध में, उसे बिक्री की रिपोर्टिंग का एक ऐसा पैटर्न मिला जिसने उसे विचलित कर दिया।

नीरज ने देखा कि यदि किसी ग्राहक ने 50 लाख रुपये के "एडवांस" उत्पाद और 50 लाख रुपये के "बेसिक" उत्पाद खरीदे हैं, तो 1 करोड़ रुपये की समग्र बिक्री को "एडवांस" उत्पादों की बिक्री के रूप में वर्गीकृत किया गया था। उसे इस तरह के कई उदाहरण मिले तथा गलत तरीके से दर्शाई गई राशि करोड़ों रुपये में थी। एक कर्मचारी के तौर पर, वह इस बात से परेशान है कि कंपनी की बिक्री को वास्तविकता से अधिक मजबूत दर्शाने से निवेशकों को भ्रामक जानकारी प्राप्त हो सकती है।

नीरज को लगता है कि सही कार्य यही होगा कि वह अपनी बात कहे और कंपनी के बिक्री संख्या को अभिलेखित करने के तरीके को ठीक करने का प्रयास करे। वह इस बात से बहुत परेशान है कि यह बेईमानी है, और उसकी व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों के विरुद्ध है।

हालांकि, नीरज कंपनी में नया कर्मचारी है और कोई बड़ी समस्या नहीं खड़ी करना चाहता है। वह यह भी सोच रहा है कि क्या बिक्री रिकॉर्ड करने के तरीके के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण हो सकता है। जब नीरज ने अपने वरिष्ठ से सलाह ली, तो उसे बताया गया कि यह कॉर्पोरेट संगठनों में आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली "रचनात्मक लेखांकन (क्रिएटिव अकाउंटिंग)" प्रथा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि बिक्री की कुल राशि में हेराफेरी नहीं की गई है।

इसके अलावा, यह एक तनावपूर्ण समय है, जिसमें कई तकनीकी छंटनी हो रही हैं और नीरज की स्वयं की कंपनी ने छंटनी किए जाने की घोषणा की है। एक नए कर्मचारी के रूप में, वह जानता है कि वह नौकरी से निकाले जाने वाले पहले कर्मचारियों में से एक हो सकता है। इसलिए, वह अभी अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठाना चाहता क्योंकि उसे किराए जैसे अन्य खर्चों के अलावा छात्र ऋण भी चुकाना है।

(a) इस प्रकरण में नीरज के समक्ष कौन-सी नैतिक दुविधाएं हैं?

(b) कार्य संस्कृति किस प्रकार कर्मचारियों द्वारा संभावित गलत कार्यों की रिपोर्ट करने की इच्छा को प्रभावित करती है?

(c) नैतिक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने में नेतृत्व की क्या भूमिका है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Neeraj is a recent college graduate who works in the finance and analytics department of a large IT company. Recently, Neeraj discovered an alarming discrepancy in the recording of sales, which raised concerns about the company's commitment to truthful reporting to investors.

Neeraj's company specializes in providing software services to other businesses that want to drive their business growth, accelerate sales, and earn more profits. The cost of a product depends on the type of services required. Advanced packages are costlier, and selling more will indicate stronger growth for the company.

Neeraj was recently tasked with a new project to develop a visual showing the number of customers who had purchased products, and the amount spent on advanced vs. basic packages. But, in his research for the project, he came across a pattern of reporting sales information that disturbed him.

Neeraj saw that if a customer had purchased Rs. 50 Lakh worth of "advanced" products and Rs. 50 lakh worth of "basic" products, the entire Rs. 1 Crore worth of sales were classified as sale of "advanced" products. He discovered multiple instances of this kind and the misrepresentation amounted to crores of rupees. As an employee, he grapples with the unsettling realization that investors may be receiving misleading information to make the company's sales look stronger than they in fact are.

Neeraj feels that the right thing to do would be to speak up and try to fix the way the company reports its sales numbers. He is deeply troubled by what appears to be dishonesty, as it conflicts with his personal integrity and moral values.

But, Neeraj is new to the company and does not want to create any major problems. He also wonders if there is some good explanation for the way that the sales are recorded. When Neeraj consulted his senior, he was told that this is a "creative accounting" practice common in corporate organizations. He also indicated that the total amount of sales has not been fudged.

Moreover, it is a stressful time, in which many tech lay-offs are taking place and Neeraj's own company has announced that there would be layoffs. As a new employee, he knows that he may be among the first employees considered for firing. Hence, he does not want to do anything to risk losing his job right now because he has student loan to pay off apart from other expenses like rent.

- (a) What are the ethical dilemmas faced by Neeraj in this case?
- (b) How does the work culture influence employees' willingness to report potential wrongdoing?
- (c) What role does leadership play in fostering an ethical work culture? (Answer in 250 words)

20

उपर्युक्त प्रकार का कार्य सुरक्षा, सामाजिक  
दायित्व तथा व्यावसायिक नैतिक संबंधी  
दुविधा को प्रदर्शित करता है।

### प्रमुख नैतिक दुविधायें

- ① व्यक्तिगत मूल्य बनाम कार्य की सुरक्षा
- ② व्यक्तिगत उत्तरदायित्व बनाम सामाजिक उत्तरदायित्व
- ③ व्यावसायिक कार्य संस्कृति तथा नैतिकता
- ④ कार्य प्रणाली में अन्तर्विरोध

कार्य संस्कृति का कर्मचारियों पर प्रभाव

- ① नौकरी छूट जाने का भय
- ② प्रतिस्पर्धात्मक व्यवस्था - अनैतिक कार्य

संस्कृति को बढ़ावा दे सकती है,

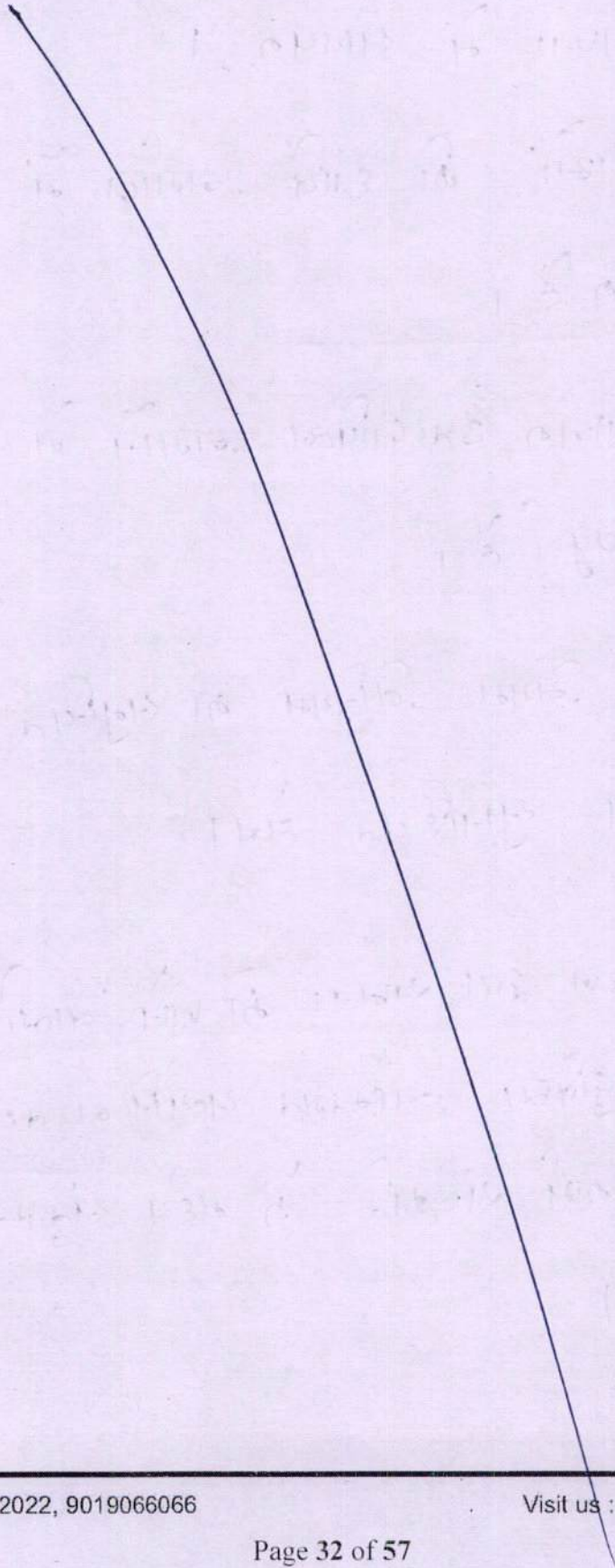
- ③ गोपनीयता की संस्कृति को बढ़ावा देना।
- ④ अनैतिक प्रथाओं का आम तथा सामान्य हो जाना।
- ⑤ कानूनी संरक्षण उपायों के प्रति उदासीनता।

(८) नैतिक कार्य - संस्कृति का महत्व

- ① व्यवसायिक नैतिकता को बढ़ाती है।
- ② पारदर्शिता तथा खुलापन की संस्कृति को बढ़ावा देती है।
- ③ सेवा प्रदायकी की भूमिका में जनोन्मुखी दृष्टिकोण का विकास करती है।

- 4) नैतिक आचरण एवं मूल्यों की स्थापना में सहायक ।
- 5) संस्थाओं की दृष्टि निर्माण में सहायक है ।
- 6) सामाजिक उत्तरदायित्व निर्भान में महत्वपूर्ण है ।
- 7) कानून, नियम, विनियम का समुचित पालन सुनिश्चित होना ।

# नीरज द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा व्यक्तिगत अत्यन्तिका तथा नैतिक कार्य संस्कृति के मध्य संतुलन की है ।



8. आप एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (PSU) के निदेशक हैं, जिसकी विशेषता देश के लिए महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादों का निर्माण करना है और इन उत्पादों को विश्व भर में निर्यात करना है। आपका उपक्रम अपनी विशेषज्ञता और दक्षता के लिए प्रसिद्ध है, क्योंकि इसे निरंतर समय पर महत्वपूर्ण उत्पाद वितरित करने के लिए जाना जाता है।

हाल ही में, आपके उपक्रम को एक उच्च प्राथमिकता वाली रक्षा परियोजना के भाग के रूप में विशिष्ट उत्पादों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त हुआ है, जिसकी समय सीमा बहुत कम है। हालांकि, आपको एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कच्चे माल की बढ़ती लागत और बजट की कमी के कारण, वर्ष के लिए आवंटित उपक्रम की धनराशि लगभग समाप्त हो गई है। वहीं, तेजी से निकट आ रही समय सीमा पर इस महत्वपूर्ण रक्षा परियोजना को पूरा करने के लिए अतिरिक्त जनशक्ति को काम पर रखना एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, लेकिन कुछ महीनों बाद किए जाने वाले अगले बजटीय आवंटन तक ऐसा संभव नहीं है। इस बीच, आपके मौजूदा कर्मचारी, जो पहले से ही सप्ताह में छह दिन 10-11 घंटे की कठिन शिफ्ट में कार्य कर रहे हैं, स्पष्ट रूप से हतोत्साहित हैं और उनमें थकान के लक्षण दिख रहे हैं।

आपने इस मुद्दे को वरिष्ठ प्रबंधन के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसमें अस्थिर कार्य शेड्यूल और संभावित बर्नआउट(थकान) संबंधी जोखिमों को रेखांकित किया गया था। प्रबंधन ने स्थिति को स्वीकार किया, लेकिन वित्तीय घाटे से विवश होकर, आपसे आंतरिक समाधान खोजने का आग्रह किया। यह सुझाव कार्यभार को और अधिक वितरित करने का था, जिससे मौजूदा कर्मचारियों के लिए अधिक ओवरटाइम का प्रावधान किया जा सके।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर प्रकाश डालिए।

(b) आपके पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उपर्युक्त मुद्दे का समाधान करने के लिए आप क्या कदम उठाएंगे?

(c) बर्न आउट (थकान) एक महत्वपूर्ण कारक है जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों का मनोबल गिरता है। इस संबंध में निजी कंपनियों और सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए? (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the Director of a Public Sector Unit (PSU) that specializes in the manufacturing of critical defense products for the country and exports it all over the world. Your unit is renowned for its expertise and efficiency, as it consistently delivers vital products on time.

Your unit has recently received a crucial order to manufacture specific products as part of a high-priority defense project with a tight deadline. However, you face a daunting challenge. With rising raw material costs and budget constraints, the unit has almost exhausted its funds for the year. Hiring additional manpower, a crucial need to meet the fast-approaching deadline for a critical defense project, is out of the question until the next budgetary allocation which is going to happen in months. Meanwhile, your existing workforce, already putting in grueling 10-11 hour shifts, six days a week, is visibly demotivated and showing signs of fatigue.

You presented the issue to the senior management, highlighting the unsustainable work schedule and potential burnout risks. The management acknowledged the situation but, constrained by the funding deficit, urged you to find internal solutions. The suggestion was to further distribute the workload, thereby implying more overtime for the existing employees.

(a) Highlight the ethical issues involved in the above case.

- (b) Evaluate the options available to you. What course of action you will take to address the above issue?
- (c) Burn out is a critical factor resulting in demotivation of employees. What steps should the private companies and government take in this regard? (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त प्रकरण में संगठन की प्रतिबद्धता तथा मानवीय मूल्यों के मध्य संतुलन स्थापित करने की नैतिक दुविधा का सामना किया जा रहा है।

प्रमुख नैतिक मुद्दे

- ① संगठनात्मक प्रतिबद्धता
- ② कर्मचारियों का कल्याण तथा उनका स्वास्थ्य (तकान)
- ③ उचित पारिस्थितिक तथा कानून व्यवस्था
- ④ कार्य-संस्कृति के मूल्यों का मूल्यांकन

(b) उपलब्ध विकल्प

① विकल्प - 1 - कर्मचारियों को अतिरिक्त कार्य देना

कुछ लाभ - ① समय पर कार्य पूर्ण

② संगठन की लागत स्थापित होना।

③ संगठन को वित्तीय लाभ

हानि - कर्मचारियों का दीर्घकालिक प्रदर्शन खराब

- संगठन की दीर्घकालिक क्षमता खराब

② विकल्प - 2 - प्रयोजना को लाने से मना करना

लाभ - कर्मचारियों का स्वास्थ्य ठीक होना

- संगठन की दीर्घकालिक छवि में सुधार

हानि - ① संगठन की साध्य तथा  
वित्तीय चुनौतियाँ

विफल्य - 3 - संगठन के उच्च अधिकारियों  
से लातचीत करना का लचीली  
कार्यप्रणाली के संबंध में सहमत करने  
का प्रयास करना ।

गुण - कर्मचारियों पर कम दबाव  
- संगठन पर भी कम दबाव

दोष - सामंजस्य की समस्या का  
बढ़ जाना ।

विकल्प - उ का चयन करने के पक्ष में तर्क

- ① कार्य की लचीली व्यवस्था से कर्मचारी तथा संगठन दोनों को लाभ
- ② आत्म प्रेरणा से तनाव कम तथा कार्य निष्पादन का बेहतर होना।
- ③ सरकार तथा निजी संस्था : तनाव के उपाय

- ① पारिस्थि पारिस्थिमिक नियमों में लचीलापन अपना — लचीला शेड्यूल स्थापित करने का अधिकार देना।
  - ② अधिक कार्य हेतु प्रोत्साहन, पदोन्नति इत्यादि देना।
  - ③ पारदर्शिता के साथ संवाद कायम करना।
  - ④ प्रशिक्षण के माध्यम से गुरुत्वता को बढ़ाना।
- # उपर्युक्त सभी उपाय कार्यस्थल पर उत्पादकता को बढ़ाने में सहायक हैं।

9. एक अग्रणी न्यूट्रास्युटिकल कंपनी में अनुसंधान एवं विकास विश्लेषक के रूप में, आप पोषक तत्वों से भरपूर बायोमास, जो त्वचा और हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार करता है, के विकास में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। शोध के परिणाम आशाजनक हैं और आपकी टीम आगामी उत्पाद को लॉन्च करने के बारे में उत्साहित है। नियमित रूप से होने वाली अंतर-टीम मीटिंग के दौरान, आपको अकस्मात ही अपनी कंपनी के किसी अन्य उत्पाद से संबंधित शोध परीक्षणों और दस्तावेजों के बारे में पता चलता है। यह उत्पाद वजन कम करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का दावा करता है, लेकिन गहन निरीक्षण करने पर, आपको पता चलता है कि परीक्षण गलत तरीके से किए गए थे और शोध के परिणाम सामान्यीकृत थे, हालांकि, इस उत्पाद के कोई दुष्प्रभाव नहीं थे। यह उत्पाद केवल प्लेसीबो प्रभाव पर काम करता है। संभवतः इस उत्पाद के लिए उत्तरदायी टीम अंतर-टीम मीटिंग के बाद इन दस्तावेजों को अपने साथ ले जाना भूल गई। कंपनी की नीति के अनुसार, अन्य टीमों के शोध परीक्षणों के बारे में जानना कठोरता से प्रतिबंधित है। इस उत्पाद से जुड़े झूठे दावे कंपनी के भीतर इसकी उच्च विक्री में महत्वपूर्ण रूप से योगदान करते हैं। यदि झूठे दावों के बारे में जानकारी उजागर हो जाती है, तो इससे संभावित रूप से कंपनी को नुकसान हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप कंपनी बंद होने जैसे गंभीर परिणाम भी उत्पन्न हो सकते हैं और आपके द्वारा अपने उत्पाद, जिसके प्रतिरोधक स्वास्थ्य सेवा के लिए वास्तविक और महत्वपूर्ण परिणाम हैं, में निवेश की गई वर्षों की कड़ी मेहनत के लिए जोखिम उत्पन्न हो सकता है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) आपके लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई क्या होगी? अपनी कार्रवाई का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As a research and development analyst in a leading nutraceutical company, you have been actively involved in the development of a nutrient-rich biomass that improves skin and bone health. The research outcomes are promising, and your team is enthusiastic about the upcoming product launch. During routine inter-team meetings, you accidentally come across research trials and documents related to another product of your company. This product claims to reduce weight and enhance immunity, but upon closer inspection, you discover that the trials were falsely conducted, and the research outcomes were generalized, however, there were no side-effects of the product. The product works on the placebo effect only. The team responsible for this product seems to have overlooked taking these documents along with them after the inter-team meeting. As per company's policy, going through the research trials of other teams is strictly prohibited. The false claims associated with this product contribute significantly to its high sales within the company. If the information regarding the false claims is revealed, it could potentially harm the company, leading to severe consequences such as closure, and jeopardize the years of hard work you have invested in your product, which has genuine and significant results for preventive healthcare.

(a) What are the ethical issues involved in the above case?

(b) Evaluate the options available to you.

(c) What will be your course of action? Justify. (Answer in 250 words)

20

उपर्युक्त प्रकार में गलत परीक्षा पर  
आधारित उत्पाद तथा व्यवसायिक सत्यनिष्ठा  
तथा व्यक्ति के आंतरिक मूल्यों में  
मध्य नैतिक दुविधा को स्पष्ट किया  
गया है।

### प्रमुख नैतिक मुद्दे

- ① परीक्षा की गलत तथा भ्रामक  
जानकारी प्रस्तुत करना।
- ② जनता के हवाले पर प्रभाव।
- ③ संगठन की व्यवसायिक नैतिकता।
- ④ पारदर्शिता तथा जवाबदेही।
- ⑤ संगठन का लाभ बनाम सामाजिक  
दायित्व।

(b) मेरे पास उपलब्ध विनय

विनय - 1 - सम्पूर्ण प्रकार का विरोध  
करना।

गुण → जनता के हितों पर नकारात्मक  
प्रभाव नहीं।

→ संगठन की छवि में विश्वास

दोष - → जागीर की असुरक्षा

→ संगठन को तात्कालिक वित्तीय  
हानि

विनय - 2 - चुप रहना।

गुण/लाभ - जागीर की सुरक्षा।

- कंपनी को आर्थिक लाभ

दोष - ① जनता के प्रति गैर-  
जवाबदेहिता।

② ग़लत नैतिक आचरण की  
संस्कृति का विकास

विकल्प - 3 - उच्च संगठन या प्रबंधन से  
जातचित करके सुलभ  
निकालना।

दुष्ठा - अलग से रीम सामूहिक आधार पर  
निर्णय लेंगी तो निर्णय निष्पक्ष  
होगा।

- आपकी सत्यनिष्ठा की छवि बनी  
रहेगी।

दोष - यदि अनियमितता न पाये जाये  
तो भरी माकरी असुरक्षा में हो  
सकती है।

मेरे द्वारा विकल्प - C का अध्ययन  
किया जायेगा।

औचित्य के पक्ष में तर्क

- ① इससे कम्पनी तथा जनता दोनों के  
मध्य संतुलन स्थापित होगा।
- ② व्यावसायिक व्यक्ति संस्कृति की  
स्थापना होगी।
- ③ सत्यनिष्ठा जैसे जैसे व्यक्तिगत मूल्यों  
की सुरक्षा हो सकेगी।
- ④ कार्यकाल की भी सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

# उपर्युक्त प्रकार में पारदर्शिता,  
मिलपकता की कार्यवाही सुनिश्चित  
होगी।

10. भारत के एक दूरस्थ और आकांक्षी जिले के मुख्य विकास अधिकारी अनमोल को एक जटिल नैतिक दुविधा का सामना करना पड़ रहा है। जिले को सरकार की हालिया विकास पहलों से लाभ मिला है, लेकिन यह अभी भी स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में संघर्ष कर रहा है। एक राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन(NGO) के साथ साझेदारी करते हुए अनमोल ने इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार देखे हैं, विशेषकर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, जब जीवनरक्षक दवाएं पहुंचाने में इस NGO की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण थी। इसी तरह की एक आपदा के दौरान, NGO ने लोगों को महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाइयां उपलब्ध कराने और लोगों की जान बचाने तथा संक्रामक रोगों के प्रसार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान अनमोल एवं NGO के कार्य को व्यापक रूप से सराहा गया और केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। हालांकि, अनमोल को बाद में पता चलता कि NGO स्थानीय अधिकारियों को प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए रिश्वत देने में संलग्न रहा है। हालांकि यह एक अवैध प्रथा है, लेकिन जिले में व्यापक रूप से प्रचलित है। अनमोल अब एक दुविधा में फंसा हुआ है, उसे यह निर्णय लेना है कि NGO द्वारा प्रदान की जाने वाली आवश्यक सेवाओं को खतरे में डाले बिना इस मुद्दे का समाधान कैसे किया जाए, क्योंकि ये सरकारी प्रयासों की पूरक हैं और इस क्षेत्र में कोई वैकल्पिक सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) अनमोल के लिए उपलब्ध विकल्पों को सूचीबद्ध कीजिए और उनके गुण-दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) अनमोल को कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? तर्क सहित औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Anmol, the Chief Development Officer of a remote and aspirational district in India, faces a complex ethical dilemma. The district benefitted from the government's recent development initiatives, but it still struggles in the fields of health and education. Partnering with a national NGO, Anmol has seen significant improvements in these areas, especially during natural disasters when the NGO's role in delivering lifesaving medicines was critical. During one such disaster, the NGO played a significant role in providing critical life-saving medicines to people and prevented the loss of lives and spread of communicable diseases. Anmol's as well as the NGO's work during this time was recognised widely and even rewarded by the state and Central governments. However, Anmol later learned that the NGO has been involved in bribing local officials to operate effectively. This practice, although illegal, is seemingly widespread in the district. Anmol is now at a crossroads, having to decide how to address this issue without jeopardizing the essential services provided by the NGO, as they complement the government's efforts and there are no viable alternatives in the region.

(a) What are the ethical issues involved in this case?

(b) List the options available to Anmol and evaluate their merits and demerits.

(c) Which option should Anmol choose and why? Justify with arguments. (Answer in 250 words)

20

उपर्युक्त प्रकारों में जिले के नागरिकों के कल्याण तथा भ्रष्टाचार जैसी विरोधी तत्वों को लेकर नैतिक दुविधा प्रस्तुत की गई है।

### प्रमुख नैतिक मुद्दे

- ① भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 का उल्लंघन
- ② स्व रिश्वत जैसे अनैतिक कृत्य की संस्कृति को बढ़ावा देना
- ③ नागरिकों के कल्याण से जुड़ा मुद्दा
- ④ व्यवसायिक कार्य-संस्कृति की अनैतिक प्रथाओं का विकास।

(b) उपलब्ध विधाय

① विधाय - 1 - युप रचना

गुण - सेवाओं की निरन्तरता बनी  
रेहगी

- NGO मो लाम

दोष - विधिक शासन के खिलाफ

- भ्रष्टाचार का सहायक रूप

② विधाय - 2 - भ्रष्टाचार उजागर करना

गुण - विधि के शासन की स्थापना

- व्यवसायिक नैतिकता की स्थापना

दोष - जनता तक नव्याकारि योजनाओं  
की तक जान।

③ विशेष - 3 NCO के प्रबंधन से बात करना तथा इस मामले हेतु जांच कमेटी की स्थापना करना तथा सर्वोच्च कार्यवाही आंतरिक तौर पर करवाना ।

गुण -  
- कानून की भावनाओं का सम्मान  
- जनता के कल्याणकारी कार्यों का निरंतर बन रहना  
- व्यवसायिक नैतिकता की संस्कृति की स्थापना ।

दोष -  
- NCO के कुछ कर्मचारी विरोध कर सकते हैं  
- NCO की कार्य योजनाएँ प्रभावित हो सकती हैं ।

अनमोल द्वारा विकल्प - 3 का चयन करना  
चाहिए

निर्णय की आवश्यकता

- ① विधि के शासन तथा नैतिकता में  
संतुलन
- ② आंतरिक स्तर पर समाधान होना
- ③ NGO की कार्यप्रणालियों में परिवर्तन  
नहीं
- ④ जनता के कल्याण की सुरक्षा को खतरा  
नहीं ।

# सभी विकल्प मूल रूप से समानुभूति  
के सिद्धांत पर आधारित होने चाहिए  
जिससे अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम  
कल्याण सुनिश्चित किया जा सके ।

11. एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रवीश ने एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के लिए कड़ी मेहनत की। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों के साथ स्नातक होने के बाद उसने एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी में एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी प्राप्त की। महत्वाकांक्षा से प्रेरित होकर उसने कुछ वर्षों का अनुभव प्राप्त करने के बाद स्टार्ट-अप शुरू करने के लिए नौकरी छोड़ दी।

देश में स्टार्ट-अप बूम के कारण, रवीश को निवेशकों से अपेक्षाकृत आसानी से पर्याप्त पूंजी प्राप्त करने में सफलता मिली। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने उनके स्टार्ट-अप की तीव्र वृद्धि और सफलता को बढ़ावा दिया।

हालांकि, जब कंपनी समृद्ध होने लगी, तब रवीश की विलासिता पूर्ण जीवनशैली ने लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना शुरू कर दिया। संस्थापक और सी.ई.ओ. के रूप में उसे संतोषजनक वेतन मिलता था, जो कि उसकी कंपनी को शून्य से खड़ा करने की मेहनत के लिए उचित था।

कुछ वर्षों बाद, आर्थिक मंदी ने रवीश की स्टार्ट-अप कंपनी को वित्तीय संकट में डाल दिया। अब निवेशकों ने लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपना समर्थन वापस ले लिया, जिससे रवीश पर व्यवसाय को बनाए रखने के लिए लागत में कटौती करने का अत्यधिक दबाव आ गया। परिणामस्वरूप, उसने कर्मचारियों की संख्या कम करने का फैसला किया और एक व्यक्तिगत वीडियो संदेश के माध्यम से अपने कर्मचारियों को इस निर्णय के बारे में सूचना दी।

वीडियो के रिलीज होने के कुछ ही घंटों के भीतर यह संदेश रवीश की दो महीने पहले हुई भव्य शादी की तस्वीरों के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों ने रवीश की इस बात के लिए आलोचना की कि उसने एक तरफ तो बहुत बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, वहीं दूसरी तरफ अपनी विलासिता पूर्ण जीवनशैली का आनंद ले रहा था।

(a) दिए गए प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट संगठनों में शीर्ष-स्तरीय नेताओं और उनके अधीनस्थों के बीच पारिश्रमिक संबंधी असमानताओं से जुड़े नैतिक पहलुओं पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ravish, hailing from a modest background, worked diligently to gain admission to a prestigious university. After graduating with commendable academic credentials, he secured a well-paying job at a leading multinational company. Driven by ambition, he left the job after gaining a few years of experience to launch his own startup.

Thanks to the startup boom in the country, Ravish was able to secure significant capital from investors with relative ease. His hard work and dedication fueled the rapid growth and success of his startup.

However, as the company flourished, Ravish's extravagant lifestyle began to attract public attention. As the founder and CEO, he drew a substantial salary, believing it to be justified given his efforts in building the company from scratch.

A few years later, an economic downturn put Ravish's startup under financial strain. Investors, now focused on profitability, withdrew their support, leaving Ravish under immense pressure to cut costs in order to sustain the business. Consequently, he decided to downsize the workforce and communicated this decision through a personalized video message to his employees.

Within hours of the video's release, it went viral on social media, accompanied by images from Ravish's lavish wedding that had taken place just two months prior. The public criticized Ravish for his opulent lifestyle while simultaneously laying off a significant number of employees.

- (a) What are the ethical issues involved in the given case?
- (b) In light of the above case, discuss the ethical considerations regarding disparities in remuneration between top-level leaders and their subordinates in corporate organizations. (Answer in 250 words) 20

उपयुक्त प्रकार के तर्कों की भूमिका  
तथा उनकी जवाबदेही को प्रदर्शित करता है।  
जो आंतरिक कार्य-संस्कृति को बेहतर  
बनाया जा सकता है इस पर आधारित  
है।

प्रमुख नैतिक मुद्दे:

- ① संगठन का लाभ बनाम सामाजिक  
जवाबदेही
- ② विवादास्पद जीवन शैली तथा राजगार/आजीविका  
की आवश्यकता का मुद्दा

③ कर्मचारियों की भागीदारी तथा संगठन का विनाय लाभ

④ समानुभूति, उत्तरदायित्व, जवाबदेही जैसे मूल्यों का अभाव

(b) शीर्ष स्तरीय नेताओं के वैशेषिक गुण

① सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जिम्मेदारी का होना

② सकारात्मक एवं समावेशी कार्य संस्कृति का विकास करना

③ संगठन के लिए पर-प्रदर्शक तथा रोल मॉडल की भूमिका में होना।  
-याद रखें।

- ④ वैदिक जैतूत्व प्रदान करना
- ⑤ कर्मचारियों के मध्य कुशलता,  
सहयोगात्मक जैसे मूल्यों के विकास  
से संगठन के प्रदर्शन को बेहतर  
बनाने का प्रयास करना
- ⑥ कर्मचारियों से अनौपचारिक संबंधों  
का विकास करके सकारात्मक मनोवृत्ति  
का विकास करना

जैसे - पेल्लिको की CEO इंदिरा नूयी

द्वारा अपने कर्मचारियों के अभिभावकों  
को प्रशंसापूर्वक पत्र लिखे जिससे  
उनके कार्य दृष्टता में वृद्धि हुई।

# अत्युक्त सभी प्रयास संगठन को

इन नेतृत्वकर्ता प्रदान करेगा तथा  
संघर्ष को आकारिक दिशा में ले  
जायेगा ।

12. विक्रम, जो एक वरिष्ठ डेटा वैज्ञानिक हैं, एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सिस्टम विकसित करने वाली टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। उसे उपयोगकर्ता के व्यवहार के आधार पर व्यक्तिगत सिफारिशें प्रदान करके ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है।

इस परियोजना की सफलता न केवल कंपनी की संवृद्धि के लिए बल्कि विक्रम की टीम के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो पिछले कुछ महीनों में खराब प्रदर्शन कर रही है। जोखिम बहुत बड़ा है और यदि टीम इस परियोजना को पूरा करने में विफल रहती है तो इसे निलंबित किया जा सकता है।

विक्रम की टीम AI एल्गोरिदम की सटीकता को सुधारने के लिए उपयोगकर्ताओं की खरीदारी का इतिहास, अवस्थिति के आंकड़े, स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड और सोशल मीडिया गतिविधियों सहित संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी को शामिल करने पर विचार कर रही है। यद्यपि इससे सिस्टम की प्रभावशीलता में काफी वृद्धि हो सकती है, लेकिन यह निजता और संवेदनशील डेटा के संभावित दुरुपयोग के बारे में चिंताएं भी उत्पन्न हो जाती है।

इसके अलावा, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पहले भी डेटा चोरी की घटना हो चुकी है और इससे हजारों उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारी अनधिकृत संस्थाओं के लिए उजागर हो गई थी। इस घटना का व्यापक स्तर पर प्रचार हुआ, जिसके कारण कंपनी के खिलाफ विनियामक जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की गई।

विक्रम पर कंपनी के विपणन विभाग द्वारा यह दबाव डाला गया है कि वह उपयोगकर्ता की निजता के बजाय राजस्व सृजन को प्राथमिकता दे। विपणन टीम ने सुझाव दिया कि ऐसी कार्यनीतियां लागू की जाएं जो उपयोगकर्ताओं को अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित करें, भले ही इसके लिए उनकी प्राथमिकताओं में हेरफेर करना पड़े या उनके बीच एक तरह की तात्कालिकता की भावना पैदा करनी पड़े।

(a) विक्रम द्वारा AI सिस्टम विकसित करते समय सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) इस मामले को सुलझाने के लिए विक्रम के पास कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) नैतिकता AI सिस्टम का अभिन्न अंग कैसे बन सकती है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Vikram, a senior data scientist, is leading a team to develop an Artificial Intelligence (AI) system for an e-commerce platform. He has to enhance customer experience by providing personalized recommendations based on user behaviour.

The success of this project is critical not only for the company's growth but also for Vikram's team, which has been underperforming in the recent months. The stakes are high, and the team is at risk of suspension if it fails to deliver on this project.

To improve the accuracy of the AI algorithms, Vikram's team considers incorporating sensitive personal information, including users' purchasing history, location data, health records and social media activities. While this could significantly enhance the system's effectiveness, it raises concerns about privacy and the potential misuse of sensitive data.

Also, a data breach has occurred earlier on the e-commerce platform, and personal information of thousands of users was exposed to unauthorized entities. The incident became widely publicized, leading to regulatory scrutiny and potential legal action against the company.

Vikram faces pressure from the company's marketing department to prioritize revenue generation over user privacy. The marketing team suggests implementing tactics that subtly encourage users to make more purchases, even if it means manipulating their preferences or creating a sense of urgency.

- (a) Identify the ethical issues faced by Vikram in developing the AI system.  
 (b) What are the options available to Vikram in addressing this case?  
 (c) How can ethics be an integral component of AI systems? (Answer in 250 words) 20

उभरती प्रौद्योगिकी में AI प्रमुख  
 चिंतों का मुद्दा है जो संगठन की नैतिकता  
 पर पुनर्विचार करने हेतु अत्यावश्यक है।

प्रमुख नैतिक मुद्दे:

- ① डेटा सुरक्षा तथा निजता का अधि-  
कार
- ② पारदर्शिता बनाम गोपनीयता
- ③ संगठन का विश्वास कमजोर होना
- ④ कर्मचारियों पर कार्य का अत्यधिक  
 दबाव - कार्य संस्कृति को प्रभावित  
 कर सकता है।

## विक्रम के समक्ष उपलब्ध विकल्प

① विकल्प - 1 - सहमति के बिना उपयोग

गुण - कार्य समय पर पूर्ण

- पक्ष-नति की प्रबल संभावना

दोष - कार्य संस्कृति का अनतिक्रम व्यवहार

- व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा

- जनता के विश्वास का हान

② विकल्प - 2 :- बिना AI के उपयोग  
के कार्य करना

गुण - व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा बनायी

रखना ।

(2) जनता का विश्वास संगठन पर बना रहना।

(3) अनैतिक उपायों का प्रयोग नहीं।

दोष - कार्य समय पर पूर्ण न होना।

- संगठन को विनाश तथा शाखा संबंधित नुकसान।

विफल्य - 3 - सुरक्षा उपायों तथा पारदर्शिता के साथ, कानून के दायरे में AI का उपयोग करना।

गुण - कार्य का समय पर पूर्ण होना।

- जनता की निष्ठा बनी रहना।

- कानूनों का पालन करना।

दोष - समय अधिक लग सकता है,

(C) AI सिस्टम में नैतिकता

① निर्माण के समय नैतिकता से जुड़े मुद्दों - डेटा का उपयोग, आंकों के प्रयोग इत्यादि को नैतिकता के साथ समायोजन ।

② नैतिक ऑडिट का प्रावधान शामिल करना।

③ सत्यनिष्ठ नेतृत्व का पालन करना।

④ पारदर्शिता की संस्कृति को अपनाना।

# उपर्युक्त सभी आधारों के मध्य

जोड़ा है। हमें 'दिल्ली घोषणा - पत्र'

को AI से जुड़े मुद्दों के परिप्रेक्ष्य में

अपनाया गया है इस दिशा में समाजिक

Handwritten text at the top of the page, possibly a title or header.

Handwritten text enclosed in a rectangular box, likely a key point or definition.

Handwritten text below the boxed area, possibly a sub-point or continuation.

Handwritten text below the previous line, continuing the notes.

Handwritten text below the previous line, continuing the notes.

Handwritten text below the previous line, continuing the notes.

Handwritten text below the previous line, continuing the notes.

Handwritten text below the previous line, continuing the notes.

Handwritten text below the previous line, continuing the notes.

Handwritten text below the previous line, continuing the notes.

Handwritten text below the previous line, continuing the notes.

Handwritten text below the previous line, continuing the notes.

Handwritten text at the bottom of the page, possibly a conclusion or footer.

